vinetur

Chapel Down केंट की वाइनरी में स्पार्कलिंग वाइन क्षमता 14.3% बढ़ाने के लिए £4.5 million का निवेश करेगी

इस परियोजना के तहत मौजूदा फसल का अधिक हिस्सा पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन में जाएगा ; पहली बिक्री 2030 में होने की उम्मीद है

सोमवार, 9 नवंबर 2026



Chapel Down केंट के Tenterden स्थित अपनी वाइनरी में £4.5 million का निवेश कर पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन की क्षमता 14.3% बढ़ाने की योजना बना रही है। इंग्लिश उत्पादक अपनी अंगूर की फसल का अधिक हिस्सा स्पार्कलिंग वाइन के उत्पादन में लगाने जा रहा है।

कंपनी ने 4 नवंबर को जारी घोषणाओं में कहा कि यह राशि प्रेसिंग उपकरणों, टैंकों और वाइनरी की अन्य मशीनरी पर खर्च की जाएगी। औसत फसल के अनुमान के आधार पर, इस परियोजना से पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन की वार्षिक क्षमता 2.1 million बोतलों से बढ़कर 2.4 million बोतल हो जाएगी—यानी 300,000 बोतलों की वृद्धि।

इस विस्तार का उद्देश्य कुल वाइन उत्पादन बढ़ाने के बजाय यह बदलना है कि Chapel Down किसी दी गई फसल से क्या बनाती है। कंपनी ने कहा कि Tenterden में संसाधित अंगूरों का बड़ा हिस्सा पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस विधि में बोतल के भीतर दूसरा किण्वन होता है और बिक्री से पहले वाइन को लंबे समय तक परिपक्व किया जाता है। इसके तहत, इस केंद्र के उत्पादन में पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन की हिस्सेदारी 79% से बढ़कर 90% हो जाएगी—11 प्रतिशत अंक की वृद्धि।

आंकड़ों को समझने के लिए यह अंतर अहम है। 14.3% की वृद्धि, औसत फसल के समान अनुमान के तहत स्पार्कलिंग वाइन की संभावित क्षमता से संबंधित है। यह साल-दर-साल बिक्री में दर्ज वृद्धि नहीं है और न ही इसका अर्थ है कि कंपनी मौजूदा स्तर के ऊपर कुल उत्पादन में 300,000 बोतलें जोड़ने की उम्मीद कर रही है। इसके बजाय, अब अन्य वाइन के लिए इस्तेमाल होने वाली फसल का एक हिस्सा पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन के उत्पादन में लगाया जाएगा।

Chapel Down ने कहा कि नए उपकरण 2027 की फसल के समय तक स्थापित हो जाने की उम्मीद है। पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन को बिक्री से पहले परिपक्व करना जरूरी है, इसलिए कंपनी के मुताबिक अतिरिक्त उत्पादन की पहली बिक्री 2030 से पहले होने की उम्मीद नहीं है। इस तरह पूंजीगत खर्च, वाइन बनाने की प्रक्रिया और अतिरिक्त बोतलों से राजस्व शुरू होने के बीच लंबा अंतराल रहेगा।

यह निवेश ऐसे समय में किया जा रहा है, जब Chapel Down इंग्लिश वाइन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। इस बाजार में स्पार्कलिंग वाइन एक प्रमुख श्रेणी बन गई है। केंट स्थित यह कंपनी स्टिल और स्पार्कलिंग, दोनों तरह की वाइन बनाती है और इस क्षेत्र के अधिक पहचाने जाने वाले नामों में से एक है। 2026 की पहली छमाही में Chapel Down Group plc ने £9.4 million की शुद्ध बिक्री दर्ज की।

वाइनरी परियोजना के लिए वित्तपोषण एक व्यापक पूंजी जुटाने की योजना से जुड़ा है। Chapel Down ने कहा कि वित्तपोषण में लगभग £5.5 million का सकल इक्विटी प्लेसमेंट शामिल है। इस प्लेसमेंट का परिणाम भी 4 नवंबर को घोषित किया गया। कंपनी ने पूंजी जुटाने और Tenterden में निवेश को भविष्य में अधिक मूल्य वाली स्पार्कलिंग वाइन के उत्पादन और बिक्री को समर्थन देने की एक ही पहल के हिस्से के रूप में पेश किया।

Chapel Down की इस परियोजना का केंद्र मौजूदा फसल को अलग तरीके से इस्तेमाल करना है, न कि केवल अधिक अंगूर संसाधित करना। पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन के लिए उत्पादन का अनुपात बढ़ाकर कंपनी इस श्रेणी में अपने उत्पादन का बड़ा हिस्सा लगाने की उम्मीद कर रही है, जिसका संबंध प्रीमियम इंग्लिश वाइन से सबसे अधिक है। साथ ही, समयसीमा का मतलब है कि अतिरिक्त क्षमता बिक्री में दिखने से पहले निवेशकों को कई साल इंतजार करना होगा।

यह योजना स्पार्कलिंग वाइन कारोबार की एक बुनियादी विशेषता भी उजागर करती है, जो कई स्टिल वाइन पर उसी तरह लागू नहीं होती। तैयार बोतलों के दुकानों और रेस्तरां तक पहुंचने से काफी पहले, अंगूर के बागों के प्रबंधन, फसल, वाइनरी के उपकरण और उत्पादन पर पैसा खर्च किया जाता है। Chapel Down के मामले में, कंपनी को उम्मीद है कि उपकरण 2027 की फसल से काम करने लगेंगे, लेकिन स्पार्कलिंग वाइन की अतिरिक्त क्षमता का व्यावसायिक लाभ 2030

से पहले सामने आने की उम्मीद नहीं है।

कंपनी के खुलासों में इस परियोजना को मौजूदा मांग में अचानक आई तेजी की प्रतिक्रिया के रूप में पेश नहीं किया गया। इसके बजाय, इसे Tenterden वाइनरी में क्षमता और उत्पाद-मिश्रण संबंधी निवेश बताया गया, जिसका उद्देश्य समय के साथ उसी फसल के अधिक हिस्से को पारंपरिक विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइन में बदलना है।